RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 22 NOVEMBER TO 28 NOVEMBER 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 10 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारतीय दफ्तरों में भी बढ़ रही है AI की धमक Page 2

दिवाली के बाद अब उछलीं सोने की कीमतें, चांदी में भारी तेजी Page 4

आरबीआई की महंगाई पर नजर Page 5

editoria!

रुके चुनावी भ्रष्टाचार

मतदान से जन प्रतिनिधियों का चुनाव लोकतांत्रिक व्यवस्था का आधार है. राजनीतिक दलों से अपेक्षा की जाती है कि वे मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए अवैध तरीके नहीं अपनायेंगे. चुनावी खर्च की सीमा तय है और प्रचार के लिए निर्देश हैं. स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए तिथियों की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू कर दी जाती है. अधिक संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक कर्मियों की तैनाती भी होती है. इन कवायदों के बावजूद पार्टियां और उम्मीदवार मतदाताओं को लुभाने के लिए नगदी, शराब, उपहार आदि का वितरण करते हैं. यह बीमारी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के हर स्तर पंचायत से लेकर लोकसभा चुनाव तक जा पहुंची है और लगातार बढ़ती भी जा रही है. इस माह पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं. चुनाव आयोग के अनुसार, इन राज्यों में अब तक 1,760 करोड़ रुपये की नगदी, शराब,उपहार आदि की बरामदगी हुई है. चुनाव प्रक्रिया के अंत तक इसमें बढ़ोतरी का अनुमान है. मतदाताओं को रिश्वत देने का यह चलन किस गति से बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि इन राज्यों में इस साल बरामद नगदी और चीजों का मूल्य 2018 के चुनाव की तुलना में सात गुना से भी अधिक है. सबसे अधिक बरामदगी तेलंगाना और राजस्थान में हुई है. इसके बाद मध्य प्रदेश है. इन दो राज्यों में मतदान अभी होना है. मिजोरम, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में वोट डाले जा चुके हैं. आचार संहिता के उल्लंघन और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए इस बार चुनाव आयोग ने निगरानी को सुदृढ़ करने के लिए तकनीक का भी सहारा लिया है ताकि केंद्रीय और राज्य स्तर की विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल हो सके. आयोग की सक्रियता और सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता है. साथ ही, चुनावी प्रक्रिया में शामिल प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मियों को अधिक सचेत रहना चाहिए, लेकिन केवल इतना करने से स्वच्छ चुनाव की गारंटी नहीं दी जा सकती है. चुनावों में धन-बल का इस्तेमाल न हो, इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी और जवाबदेही राजनीतिक दलों की है. जिस प्रकार प्रत्याशियों के विरुद्ध दर्ज मामलों की जानकारी सार्वजनिक की जाती है, उसी तरह यह भी मतदाताओं को बताया जाना चाहिए कि जो अवैध नगदी और अन्य चीजें बरामद हुई हैं, वे किस उम्मीदवार की है. चुनावी भ्रष्टाचार रोकने में मतदाताओं को भी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए, यह हमें समझना होगा कि जो भ्रष्टाचार के सहारे जीतेगा, वह कभी जनता की सेवा को प्राथमिकता नहीं देगा. इसलिए, चुनावी भ्रष्टाचार के रोग का उपचार आवश्यक है।

बड़े पैमाने पर अमेरिकी इन्वेंट्री बिल्ड, ओपेक द्वारा कटौती के कारण

बाजार में तेल की कीमतें कम हो गईं

एजेंसी।

उद्योग के आंकड़ों के बाद अमेरिकी भंडार में पर्याप्त वृद्धि की ओर इशारा करने के बाद बुधवार को एशियाई व्यापार में तेल की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जबकि व्यापारियों ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन द्वारा अधिक आपूर्ति में कटौती की मांग जारी रखी। अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के डेटा से पता चला है कि 17 नवंबर तक के सप्ताह में अमेरिकी भंडार 9 मिलियन बैरल से अधिक बढ़ने की संभावना है, जो 15 लाख बैरल के निर्माण की अपेक्षा से काफी अधिक है।बड़े पैमाने पर अमेरिकी इन्वेंट्री बिल्ड, ओपेक द्वारा कटौती के कारण बाजार में तेल की कीमतें कम हो गईं। बड़े पैमाने पर अमेरिकी इन्वेंट्री बिल्ड, ओपेक द्वारा कटौती के कारण बाजार में तेल की कीमतें कम हो गईं। उद्योग के आंकड़ों के बाद अमेरिकी भंडार में पर्याप्त वृद्धि की ओर इशारा करने के बाद बुधवार को एशियाई व्यापार में तेल की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जबकि व्यापारियों ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन द्वारा अधिक आपूर्ति में कटौती की मांग जारी रखी।

अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के डाटा से पता चला है कि 17 नवंबर तक के सप्ताह में अमेरिकी भंडार 9 मिलियन बैरल से अधिक बढ़ने की संभावना है, जो 15 लाख बैरल के निर्माण की अपेक्षा से काफी अधिक है। गैसोलीन भंडार में 1.8 मिलियन बैरल की गिरावट देखी गई, जबकि डिस्टिलेशन में 3.5 मिलियन बैरल की गिरावट आई। एपीआई डेटा ने अमेरिकी इन्वेंट्री के निर्माण के लगातार चौथे सप्ताह का संकेत दिया, यह दर्शाता है कि तेल की आपूर्ति मजबूत बनी हुई है, जबकि सर्दियों का मौसम शुरू होते ही ईंधन की मांग कम होने लगी है। इसने यह भी संकेत दिया कि कच्चे तेल की आपूर्ति उतनी कम नहीं रह सकती जितनी शुरुआत में अनुमान लगाया गया था।

इस धारणा के साथ-साथ दुनिया भर में बिगड़ती आर्थिक स्थितियों के संकेतों ने पिछले कुछ हफ्तों में तेल की कीमतों पर भारी असर डाला है। हालांकि पिछले तीन सत्रों में कीमतों में चार महीने के निचले स्तर से तेजी से उछाल आया है, लेकिन अब तेजी ठंडी होती दिख रही है। ब्रेंट ऑयल फ्यूचर्स 20:16 ईटी (01:16 जीएमटी) तक 0.2इ बढ़कर 82.61 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 0.2इ बढ़कर 77.93 डॉलर प्रति बैरल हो गया। दोनों अनुबंध मंगलवार को सपाट रूप से समाप्त हो गए।बड़े पैमाने पर अमेरिकी इन्वेंट्री बिल्ड, ओपेक द्वारा कटौती के कारण बाजार में तेल की कीमतें कम हो गईं। बड़े पैमाने पर अमेरिकी इन्वेंट्री बिल्ड, ओपेक द्वारा कटौती के कारण बाजार में तेल की कीमतें कम हो गईंउद्योग के

आंकड़ों के बाद अमेरिकी भंडार में पर्याप्त वृद्धि की ओर इशारा करने के बाद बुधवार को एशियाई व्यापार में तेल की कीमतों में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, जबकि व्यापारियों ने पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन द्वारा अधिक आपूर्ति में कटौती की मांग जारी रखी।

अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के डेटा से पता चला है कि 17 नवंबर तक के सप्ताह में अमेरिकी भंडार 9 मिलियन बैरल से अधिक बढ़ने की गैसोलीन भंडार में 1.8 मिलियन बैरल की गिरावट देखी गई, जबकि डिस्टिलेट में 3.5 मिलियन बैरल की गिरावट आई। एपीआई डेटा ने अमेरिकी इन्वेंट्री के निर्माण के लगातार चौथे सप्ताह का संकेत दिया, यह दर्शाता है कि तेल की आपूर्ति मजबूत बनी हुई है, जबकि सर्दियों का मौसम शुरू होते ही ईंधन की मांग कम होने लगी है। इसने यह भी संकेत दिया कि कच्चे तेल की आपूर्ति उतनी कम नहीं रह सकती जितनी शुरुआत में अनुमान लगाया गया था।

इस धारणा के साथ-साथ दुनिया भर में बिगड़ती आर्थिक स्थितियों के संकेतों ने पिछले कुछ हफ्तों में तेल की कीमतों पर भारी असर डाला है। हालांकि पिछले तीन सत्रों में कीमतों में चार महीने के निचले स्तर से तेजी से उछाल आया है, लेकिन अब तेजी ठंडी होती दिख रही है। ब्रेंट ऑयल फ्यूचर्स 20:16 ईटी (01:16 जीएमटी) तक 0.2% बढ़कर 82.61 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड फ्यूचर्स 0.2% बढ़कर 77.93 डॉलर प्रति बैरल हो गया। दोनों अनुबंध मंगलवार को सपाट रूप से समाप्त हो गए।

डॉलर में कमजोरी से भी तेल को कुछ मजबूती मिली, क्योंकि व्यापारियों ने फेडरल रिजर्व के दर वृद्धि चक्र के अंत पर दांव लगाया।

एपीआई डेटा बम्पर आधिकारिक इन्वेंट्री रीडिंग की शुरुआत करता है। एपीआई डेटा आमतौर पर ऊर्जा सूचना प्रशासन से आधिकारिक इन्वेंट्री डेटा पर एक समान रीडिंग की शुरुआत करता है, जो बाद में दिन में आने वाला है। अमेरिकी भंडार में लगातार साप्ताहिक वृद्धि देखी गई है, जबकि उत्पादन हाल ही में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है क्योंकि तेल उत्पादकों और रिफाइनरी ने बढ़ी हुई निर्यात मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन में वृद्धि की है। हाल के महीनों में गैसोलीन और डिस्टिलेट इन्वेंटरी पर ड्रॉ भी अधिक बिखरा हुआ है, जो मौसमी बदलावों के कारण अमेरिकी ईंधन की मांग में कुछ गिरावट का संकेत देता है।

ओपेक + की बैठक नजदीक, आपूर्ति में कटौती पर फोकस

बाजार का ध्यान अब 26 नवंबर को ओपेक और उसके सहयोगियों (ओपेक+) की आगामी बैठक पर है। मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि सऊदी अरब और रूस- समूह के दो प्रमुख उत्पादक- बाजारों में देखी गई हालिया कमजोरी को देखते हुए, तेल की कीमतों का समर्थन करने के लिए आपूर्ति में गहरी कटौती पर विचार कर रहे थे। ओपेक के अन्य सदस्यों द्वारा बढ़े हुए उत्पादन के साथ-साथ उच्च अमेरिकी उत्पादन से यह भी पता चला कि कच्चे तेल के बाजार उतने तंग नहीं थे जितनी शुरुआत में उम्मीद की गई थी। प्रमुख आयातक चीन और अन्य बाजारों में आर्थिक कमजोरी के संकेतों के साथ इस धारणा ने हाल के सप्ताहों में तेल की कीमतों पर भारी दबाव डाला है। सऊदी अरब और रूस ने कीमतें बढ़ाने के लिए इस साल की शुरुआत में कई बार उत्पादन में कटौती की थी। विश्लेषकों को उम्मीद है कि उत्पादन में और कटौती से समान परिणाम मिलेंगे और 2024 की शुरुआत में बाजार तंग रहेंगे।

अब नहीं बनेगी रिफाइनरी ! पाकिस्तान की उम्मीदों पर फिरा पानी, चीन के बाद अब सऊदी अरब ने दिया झटका

पाकिस्तान में रिफाइनरी बनाने को लेकर सऊदी अरब की कंपनी ने निवेश को लेकर दिलचस्पी दिखाई थी, मगर अब यह डील ठंडे बस्ते में जाती दिख रही है। सऊदी की कंपनी अरामको को यह निवेश मुनाफे का सौदा नहीं दिख रहा।

गले तक कर्ज में डूबे पाकिस्तान की इकॉनमी अब दिवालिया होने की कगार पर है। पाकिस्तान आए दिनों भीख का कटोरा लेकर अपने दोस्त मुल्कों से भीख मांगने चला जाता है। रहम खाकर चीन, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों ने पाकिस्तान में निवेश करने की हामी भरी, मगर प्रोजेक्ट्स की अस्थिरता के कारण अब कोई भी वहां निवेश करने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहा है। अपने हर मौसम दोस्त चीन की दोस्ती पर गुमान करने वाले पाकिस्तान को चीन ठेंगा दिखा चुका है, उसी की राह पर चलते हुए अब सऊदी अरब की कंपनी अरामको भी पाकिस्तान में रिफाइनरी निवेश को लेकर 10 अरब डॉलर की डील से हाथ पीछे खींच सकता है। पाकिस्तानी मीडिया की मानें तो सऊदी अरब की कंपनी अब इस प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी नहीं दिखा रही है। प्रोजेक्ट में निवेश के लिए सऊदी अरब की कंपनी अरामको को लुभाने के लिए पाकिस्तान एंड़ी- चोटी का जोर लगा रहा मगर कंपनी की मैनेजमेंट अधिकारियों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहे हैं। पाकिस्तान के लिए सऊदी अरब की कंपनी का रवैया चिंता का विषय बन गया है, क्योंकि पाकिस्तानी सरकार ने एक नई ग्रीन रिफाइनरी नीति के बारे में 25 सालों के लिए 7.5ड्ड डीम्ड ड्यूटी और 20 सालों का प्लान तैयार करना शुरू कर दिया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट की मानें तो सऊदी अरब की कंपनी इस डील को ठंडे बस्ते में डाल देगी। जिसके कारण पाकिस्तान को सिर्फ मायूसी ही हाथ लगेगी।

अरामको ने खींचा हाथ?

द न्यूज ने सऊदी अरब की कंपनी अरामको के हवाले से लिखा, 'सऊदी अरामको के शीर्ष पदाधिकारियों ने पाकिस्तान के अधिकारियों के साथ हालिया बातचीत में संकेत दिया है कि अरामको ने खुद को सऊदी सरकार से अलग कर लिया है और काफी हद तक विनियमन हासिल कर लिया है। यही कारण है कि इसका प्रबंधन अब दुनिया भर में रिफाइनरी व्यवसाय में निवेश करने का इच्छुक नहीं है। इसमें कहा गया है कि रिफाइनरी व्यवसाय अब पहले जैसा आकर्षक नहीं रह गया है।'

चीन भी दिखा चुका है औकात

अरामको के पदाधिकारियों की दलीलों से साफ समझा जा सकता है कि कंपनी अब पाकिस्तान में रिफाइनरी निवेश को लेकर सकारात्मकता के मूड में नहीं है। इसी तरह चीन ने भी पाकिस्तान के साथ अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट सीपीईसी के हाथ खींच चुका है। चीन अब इस प्रोजेक्ट के तहत और निवेश नहीं करना चाहता, पाकिस्तान के लाख मनाने के बावजूद भी चीन ने अपने हाथ पूरी तरह से इस प्रोजेक्ट से खींच लिए हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत 6 पैसे बढ़कर 83.20 पर खुला

Rupee Vs Dollar: ताजा रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद डॉलर के मुकाबले रुपया 22 नवंबर को मजबूत खुला। डॉलर के मुकाबले रुपया आज 6 पैसे मजबूत होकर 83.20 के स्तर पर खुला। वहीं कल के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 83.36 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारी सितंबर तिमाही के लिए भारत के जीडीपी आंकड़े 30 नवंबर को जारी होने की उम्मीद कर रहे हैं। एसबीआई और आईसीआरए का अनुमान है कि दूसरी तिमाही में जीडीपी 7 फीसदी रहेगी, जबकि बार्कलेज इंडिया को उम्मीद है कि यह 6.8 फीसदी रहेगी। इस बीच OPEC+ की बैठक से पहले कल कच्चे तेल में बड़ी हलचल नहीं देखने को मिली। रविवार को तेल उत्पादक देशों की बैठक होनी है, जिसमें उत्पादन कटौती को लेकर फैसला हो सकता है। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड मामूली बढ़त के साथ 83 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। मंगलवार को स्पॉट गोल्ड करीब 1% महंगा होकर 1,998.35 के स्तर पर दिखा। डॉलर करीब ढाई महीने के निचले स्तर पर फिसल चुका है। दूसरी एशियाई करेंसी में गिरावट देखने को मिल रही है। डॉलर के मुकाबले इंडोनेशिया रुपिया 0.94 में गिरावट देखने को मिली। जबकि ताइवान डॉलर में 0.5 फीसदी की गिरावट रही जबकि साउथ कोरिया करेंसी में 0.46 फीसदी की बढ़त देखने को मिली। मलेशिया रिंगिंत में 0.36 फीसदी, फिलीपींस पेसो में 0.2 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। वहीं जापान येन में 0.12 फीसदी, चाइना करेंसी और सिंगापुर डॉलर में 0.5 फीसदी की बढ़त देखने को मिली।

एडीबी और ग्रीनवे ने ग्रामीण भारत में चूल्हे के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए

आईपीटी नेटवर्क

भारत। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) और ग्रीनवे ग्रामीण इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड ने 6.5 मिलियन डॉलर के वरिष्ठ सुरक्षित ऋण पर हस्ताक्षर किए, ताकि भारत के मध्य प्रदेश और ओडिशा राज्यों में ग्रामीण परिवारों के लिए 1 मिलियन उन्नत कुकस्टोव का उत्पादन और वितरण किया जा सके। इस वित्तीय सहायता में एडीबी द्वारा प्रशासित क्लाइमेट इनोवेशन एंड डेवलपमेंट फंड (सीआईडीएफ) से $3.25 मिलियन का फर्स्ट लोस लिक्विडिटी रिज़र्व भी शामिल है।

पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे या घरेलू चूल्हों की तुलना में, बेहतर चूल्हे ईंधन की जरूरत को 65% और उत्पन्न होने वाले धुएं को 70% तक कम करते हैं, जिससे ब्लैक कार्बन और कार्बन मोनोक्साइड उत्सर्जन में काफी कमी आती है। यह परियोजना ग्रामीण परिवारों को नए कुकस्टोव की लागत पर सब्सिडी प्रदान करेगी, जो पारंपरिक अप्रभावी विधियों का उपयोग करते हैं।

अप्रभावी तरीके से खाना पकाना, घरेलू वायु प्रदूषण और इनडोर कार्बन मोनोऑक्साइड का एक प्रमुख स्रोत है, जो लाखों लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, जिनमें महिलाएं और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। अधिक दक्ष और शुद्ध खाना पकाने की सुविधाएं न केवल जीवन बचाने का एक त्वरित और प्रभावी तरीका है, बल्कि महिलाओं को उनके दैनिक घरेलू कार्यभार को कम करके उन्हें सशक्त भी बनाता है,' निजी क्षेत्र के संचालन के लिए एडीबी के महानिदेशक सुजैन गैबौरी ने कहा। 'एडीबी का वित्तपोषण भी समुदाय-आधारित परियोजनाओं को वित्तपोषण करने के लिए कार्बन बाजारों का उपयोग करने का एक प्रेरक व्यावसायिक मामला प्रस्तुत करेगा।'

इस परियोजना के परिणामस्वरूप कुल 22.9 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड की कमी होगी। ग्रीनवे, अपनी सहायक कंपनी एसडीजी 13 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से, बेहतर चूल्हों के उपयोग से उत्पन्न कार्बन क्रेडिट को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को बेचेगा। ग्रीनवे और एसडीजी 13 वेंचर्स, स्वच्छ खाना पकाने तक पहुंच बढ़ाकर जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समुदाय के नेतृत्व वाले प्रयासों में सबसे आगे हैं। हम एडीबी, हमारे निवेशकों और खरीदारों को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया है ,' ग्रीनवे के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित माथुर ने कहा।

CIDF एक मिश्रित वित्त सुविधा है जिसे एडीबी द्वारा प्रबंधित किया जाता है, जो सितंबर 2021 में ब्लूमबर्ग फिलैंथ्रोपीज़ और गोल्डमैन सैक्स द्वारा ₹25 मिलियन की आरंभिक धरोहरी की प्रतिबद्धता के साथ स्थापित किया गया था। इस फंड में सतत निम्न-कार्बन आर्थिक विकास के लिए निजी क्षेत्र और सरकारी निवेश में $500 मिलियन तक का निवेश लाने की क्षमता है। ग्रीनवे न्यूयॉर्क स्थित एक्यूमेन फंड, आशा इन्वेस्टमेंट फंड और सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप सहित कई प्रभावशाली निवेशों का प्राप्तकर्ता है।

भारतीय दफ्तरों में भी बढ़ रही है AI की धमक

नई दिल्ली। एजेंसी

नए जमाने के वर्क प्लेस की बात करें तो भारत में पांच तरह के लोग यहां काम करते हैं। पहला तो प्रॉब्लम सॉल्वर , दूसरा रोड वॉरियर , तीसरा डिटेक्टिव , चौथा नेटवर्क और पांचवा एक्सप्रेशनिस्ट । इनमें से दो आर्टीफीशियल इंटेलिजेंस (Artificial Intelligence) या एआई तथा टेक्नोलॉजी (ऊाम्हदत्दुब) को अपनाने में आगे है। इस रिपोर्ट से इसका खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट ग्लोबल रिसर्च फर्म भ्दल्उदन और एंत्म्व ने जारी किया है। इसके मुताबिक भारत में प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट एआई और टेक्नोलॉजी को अपनाने में आगे हैं।

भारत में तो ये हैं आगे

इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए भारत समेत नौ प्रमुख मार्केट में 15,000 से भी ज्यादा डेस्क वर्कर के बीच सर्वे किया गया। इनमें से 2,000 डेस्क वर्कर भारत के हैं। इससे पता चला कि भारतीय बाजार में प्रॉब्लम सॉल्वर और एक्सप्रेशनिस्ट इसे अपनाने में आगे हैं। ये ऑटोमेशन के मास्टर हैं और एआई जैसे टूल्स को तेजी से अपना रहे हैं। इससे इनका और इनके सहयोगियों का काम तेजी से निपट रहा है। एक्सप्रेशनिस्ट तो

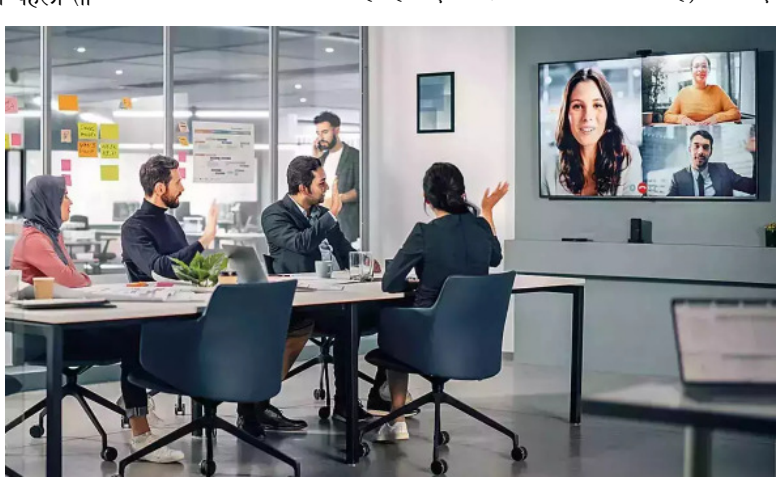

GIFs, Memes and Emoji के जरिये अपने काम में बहुलता का प्रभाव ला रहे हैं। ये ही नए तकनीक को अपनाने में दूसरों को प्रेरित कर रहे हैं।

इस अध्ययन में सामने आया कि भारत में AI यूज करने वाले सबसे ज्यादा कॉमन वर्कफोर्स प्रॉब्लम सॉल्वर्स का है। इसमें 23 प्रतिशत वर्कफोर्स शामिल है। प्रॉब्लम सॉल्वर्स टेक और ऑटोमेशन में निपुणता रखते हैं, और एआई एवं कार्य की प्रक्रियाओं को स्ट्रीमलाइन करने के लिए अत्यधिक उत्साहित हैं। उनमें से 92 प्रतिशत अरली टेक एडॉप्टर्स हैं, और 77 प्रतिशत एआई की ओर उत्सुक हैं। अपने काम में एआई का उपयोग करने के लिए प्रॉब्लम सॉल्वर का उत्साह स्पष्ट दिखाई देता है। उनमें से 43 प्रतिशत प्रोडक्टिविटी बढ़ाने के लिए एआई का उपयोग करना चाहते हैं। अध्ययन में सामने आया कि ये लोग 54 प्रतिशत हैं, जो भारत में एआई के सबसे ज्यादा उपयोग में अपना योगदान देते हुए एक्सटर्नल टेक प्रशिक्षण चाहते हैं, इसके बाद 34 प्रतिशत के साथ सिंगापुर का स्थान है। एक्सप्रेशनिस्ट के पास एक मजबूत विज़्युअल कम्युनिकेशन स्टाईल होता है, जो भारत के कार्यबल में 21 प्रतिशत हैं। वो एमोजी, जीआईएफ और मेमेज़ द्वारा कार्यस्थल के संवाद को कम औपचारिक और ज्यादा दिलचस्प बनाते हैं। विश्व में 72 प्रतिशत एक्सप्रेशनिस्ट कम्यूनिकेशन बढ़ाने के लिए इन विज़्युअल टूल्स का उपयोग करते हैं, जबकि ऐसे डेस्क कर्मियों की संख्या 29 प्रतिशत है। उनका मानना है कि कार्यस्थल का संचार मनोरंजक और दिलचस्प होना चाहिए, और वर्चुअल कनेक्शन स्थापित करने और अपेक्षा के अनुरूप संदेश पहुँचाने के लिए इन विज़्युअल एलिमेंट्स का उपयोग होना चाहिए। एक्सप्रेशनिस्ट का वर्चस्व दक्षिण कोरिया (15 प्रतिशत) और सिंगापुर (12 प्रतिशत) में भी है। इस सर्वेक्षण के नतीजों में यह भी पाया गया कि भारत में डिटेक्टिव्स कम हैं। वर्कप्लेस पर ऐसे व्यक्ति अपनी इंवेस्टिगेटिव और नॉलेज शेयरिंग टेंडेंसी के लिए जाने जाते हैं। रोड वॉरियर्स, जो फ्लेक्झिबिलिटी और रिमोट कनेक्शन पर पनपते हैं, की संख्या भारत में कम है। हालांकि ये जापान में 28% और सिंगापुर 26% हैं। भारत में उनकी हिस्सेदारी कुल वर्कफोर्स में महज 18% की है। वे आउटगोइंग, अनुकूलनीय हैं और अपने शेड्यूल के अनुसार विभिन्न स्थानों से काम करने को प्राथमिकता देते हैं।

इनकम टैक्स रिफंड का नहीं करना होगा ज्यादा इंतजार, सिर्फ 10 दिन में वापस आएगा पैसा

आ रहा नया सिस्टम

नई दिल्ली। एजेंसी

अभी आपको आईटीआर (ITR) भरने के बाद रिफंड के लिए कई दिन इंतजार करना पड़ता है। कई बार रिफंड जल्दी आ जाता है, तो कई बार इसमें काफी ज्यादा समय भी लग जाता है। सरकार अब इस समय को घटाने की तैयारी कर रही है। टैक्स डिपार्टमेंट टैक्स रिफंड (Tax Refund) की प्रोसेसिंग और इसे जारी करने के मौजूदा 16 दिन के समय को घटाकर 10 दिन करना चाहता है। इसके लिए एक सिस्टम शुरू करने की तैयारी हो रही है। सबसे खास बात यह है कि नई समय सीमा को चालू वित्त वर्ष के दौरान ही लागू किया जाना है।

पहले से काफी घटा है समय

एक सरकारी अधिकारी के हवाले से कहा, 'साल 2022-23 में टैक्स रिटर्न की प्रोसेसिंग में लगा औसत समय 16-17 दिन था। यह साल 2021-22 में 26 दिन था। अब हम टैक्स रिटर्न की प्रोसेसिंग और रिफंड जारी करने में लगने वाले समय को घटाकर 10 दिन करने की योजना बना रहे हैं।'

जारी हो चुके 72,215 करोड़ के रिफंड

इस साल एक अप्रैल से 21 अगस्त के बीच 72,215 करोड़ रुपये के टैक्स रिफंड जारी किये जा चुके हैं। इनमें से 37,775 करोड़ रुपये के रिफंड कंपनियों को और 34,406 करोड़ रुपये के रिफंड करदाताओं को जारी किये गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, जिसमें पर्सनल इनकम टैक्स और कॉरपोरेट टैक्स शामिल है, 6.6 लाख करोड़ रुपये था।

और घट सकता है रिफंड में लगने वाला समय

टेक्नोलॉजी के विकास और एक मजबूत सिस्टम के कार्यान्वयन से टैक्स रिटर्न की त्वरित प्रोसेसिंग में मदद मिल रही है। पिछले वित्त वर्ष में टैक्स रिटर्न के प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। एक अन्य वित्त अधिकारी ने फाइनेंशियल डेली को बताया, 'हम उम्मीद कर रहे हैं कि प्रोसेसिंग में लगने वाला समय और घटेगा। इससे रिफंड जारी करने में लगने वाला समय और कम हो जाएगा।'

ITR प्रोसेस होते ही मिले रिफंड

आयकर विभाग ने टैक्स रिटर्न्स के वेरिफिकेशन और असेसमेंट्स के लिए इलेक्ट्रॉनिक अप्रोच अपनायी है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि आयकर विभाग टैक्स रिटर्न की प्रोसेसिंग पूरी होते ही रिफंड जारी करना चाहता है। यह पिछली प्रैक्टिस से एक बदलाव है। पहले कंपनियों के रिफंड को राजस्व संग्रह को बढ़ावा देने के लिए रोका जाता था।

इकॉनमी के लिए अच्छी खबर

दूसरी तिमाही में GDP ग्रोथ 7% रहने का अनुमान

देश में खूब हो रहा इन्वेस्टमेंट

मुंबई। एजेंसी

रेटिंग एजेंसी ICRA ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 7% की बढ़ोतरी होने का अनुमान है, जो भारतीय रिजर्व बैंक के रेट सेटिंग पैनल के अनुमान को पार कर जाएगा। ICRA की चीफ अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, 'दूसरी तिमाही (Q2) में GDP ग्रोथ रेट Monetary Policy Committee (MPC) के अनुमान से अधिक होने की उम्मीद है। नायर ने कहा, 'असमान वर्षा, साल भर पहले और अब की कमोडिटी की कीमतों के कम अंतर, संसदीय चुनावों के करीब आने पर सरकारी कैपेक्स की गति में संभावित मंदी, कमजोर बाहरी मांग और मॉनेटरी सख्ती के प्रभाव से H2FY24 में कम GDP ग्रोथ में तब्दील होने की आशंका है।'

FY24 के लिए 6% ग्रोथ का अनुमान

ICRA ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पहली तिमाही में 7.8% की वृद्धि के बाद दूसरी तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि घटकर 7% होने का अनुमान है। इस एडजस्टमेंट को सामान्य आधार और अप्रत्याशित मानसून पैटर्न के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 'नतीजतन, हम अपने वित्त वर्ष 2024 के उ्ञ्ज विकास अनुमान को 6.0% पर बनाए रखते हैं, जो कि वित्तीय वर्ष के लिए श्इ्ण के 6.5% के अनुमान से कम है।'

निवेश गतिविधि में मजबूती

रिपोर्ट में बताया गया है कि दूसरी तिमाही के दौरान, देश में निवेश गतिविधि में मजबूती बनी रही, निवेश से संबंधित ग्यारह में से सात इंडिकेटर पहली तिमाही की तुलना में साल-दर-साल बेहतर वृद्धि दिखा रहे हैं। ध्ीं ने अपने नोट में कहा, 'जबकि शेष चार इंडिकेटर में सालाना वृद्धि Q1 के सापेक्ष Q2 FY2024 में कमजोर हो गई, उन सभी में तिमाही में दोहरे अंकों में विस्तार देखा गया, जिसमें CV पंजीकरण (+13.5 प्रतिशत), सीमेंट उत्पादन (+10.2 प्रतिशत) शामिल हैं।

25 अरब डॉलर का विदेशी निवेश संभवः DBS

DBS बैंक इंडिया के ट्रेजरी अधिकारी ने कहा कि अगर भारतीय सरकारी बॉन्ड प्रमुख ब्लूमबर्ग बॉन्ड इंडेक्सेज में शामिल हो जाते हैं, तो उनमें करीब 25 अरब डॉलर का विदेशी इनफ्लो देखा जा सकता है। DBS बैंक इंडिया में ट्रेजरी और मार्केट के कार्यकारी निदेशक समीर करियाट के अनुसार, यदि भारत को ब्लूमबर्ग इंडेक्स में शामिल किया जाता है, तो 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में लगभग 7 बेसिस पॉइंट की गिरावट हो सकती है और 25 बिलियन डॉलर का निवेश आकर्षित हो सकता है। करियाट ने कहा, अगर ब्लूमबर्ग इंडेक्स में भारत को शामिल करने में देरी होती है, तो बॉन्ड यील्ड बढ़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि बाजार को इसकी उम्मीद नहीं थी। बॉन्ड इन्वेस्टर्स इस महीने के अंत तक इसकी घोषणा की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में जेपी मॉर्गन ने घोषणा की कि भारत को जून 2024 से शुरू होने वाले प्रमुख उभरते बाजार डेट इंडेक्स में जोड़ा जाएगा। अगले वर्ष निवेशकों द्वारा भारतीय बांडों में 20 बिलियन डॉलर से 25 बिलियन डॉलर का निवेश करने की उम्मीद है। भारत के बेंचमार्क 10-वर्षीय बांड पर यील्ड मंगलवार को गिरकर 7.25% हो गई, जो पिछले महीने के उच्चतम 7.40% से कम है।

निर्यात में इस साल की सबसे बड़ी तेजी

अक्टूबर में 6.3% बढ़ा, आयात भी नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का वस्तुओं का निर्यात इस साल अक्टूबर में 6.21% बढ़कर 33.57 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। हालांकि, इस दौरान व्यापार घाटा (इंपोर्ट व एक्सपोर्ट के बीच का अंतर) बढ़कर 31.46 अरब डॉलर पर पहुंच गया। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सोने के इंपोर्ट में उछाल की वजह से इंपोर्ट में बढ़ोतरी हुई। अक्टूबर में कच्चे तेल का इंपोर्ट भी बढ़ा है। अक्टूबर, 2022 में देश का व्यापार घाटा 26.31 अरब डॉलर था। कॉमर्स सेक्रेटरी सुनील बर्थवाल ने कहा कि व्यापार के आंकड़े एक्सपोर्ट क्षेत्र में रिकवरी का संकेत है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि हम पिछले साल के आंकड़ों को पार कर जाएंगे।

दलहन, फल-सब्जियों और इलेक्ट्रॉनिक सामान रहे प्रमुख

बर्थवाल ने कहा कि कमोडिटी की कीमतों में गिरावट के बावजूद पॉजिटिव बढ़ोतरी हुई है, लेकिन हम जल्दबाजी नहीं कर रहे और ग्लोबल सिचुएशन पर नजर बनाए हैं। अक्टूबर में ग्रोथ दर्ज करने वाले इंपोर्ट क्षेत्रों में दलहन, फल व सब्जियां, और इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने 2023 में वैश्विक व्यापार के 0.8% बढ़ने का अनुमान लगाया है। वहीं, कॉमर्स मिनिस्ट्री में अतिरिक्त सचिव एल. सत्या श्रीनिवास ने बताया कि इंपोर्ट के सबसे बड़े आंकड़ों के कारण अक्टूबर के दौरान घाटा 'अधिकतम' है।

2027 में भारत बनेगा तीसरी बड़ी इकोनॉमी

साल 2027 में ही भारत की अर्थव्यवस्था (Indian Economy) दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। यह भरोसा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जताया है। सीतारमण ने बुधवार को 'हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय संवाद' को संबोधित करते कहा कि वैश्विक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद इस साल भारत की आर्थिक वृद्धि दर सात प्रतिशत से थोड़ा कम रहने का अनुमान है। यह दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है।

सही रास्ते पर है इकॉनमी

वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सही रास्ते पर है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ रही है। सीतारमण नें कहा कि हिंद-प्रशांत को प्रभावित करने वाले समकालीन संघर्ष जैसे यूक्रेन युद्ध, इजराइल या यमन संकट और दक्षिण तथा पूर्व चीन सागर में जारी तनाव के कारण आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान तथा आर्थिक अस्थिरता के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था बेहतर स्थिति में है।

कोविड-19 वैक्सीन के कारण नहीं हो रही है अचानक मौत, ICMR ने रिसर्च में किया खुलासा

नई दिल्ली। एजेंसी

अगले वर्ष अस्पताल में भर्ती कोविड-19 से पीड़ित 6.5 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो गई। इसमें कहा गया है कि इनमें से ठीक हुए मरीजों में से 17.5 प्रतिशत को सुस्ती और सांस फूलने की समस्या का सामना करना पड़ा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ध्एँ) ने अपने एक रिसर्च में इस बात का दावा किया है कि हाल के कुछ महीनों में लोगों की जो अचानक मौत हो रही है इसके लिए कोविड-19 के टीके जिम्मेदार नहीं हैं। इसके लिए देश भर के 39 नेटवर्क अस्पतालों के डेटा की स्टडी की गई है। आईसीएमआर ने कहा है कि टीकाकरण ने अचानक होने वाली मौतों के जोखिम को कम कर दिया है। अचानक होने वाली मौतें ज्यादातर दिल की स्थितियों जैसे अनियमित दिल की धड़कन, हृदय की मांसपेशियों में रक्त के प्रवाह में बाधा और ऐसी स्थिति के कारण होती हैं जहां हृदय की मांसपेशियां दूसरों के बीच प्रभावी ढंग से रक्त पंप करने की क्षमता खो देती हैं।

मौतों को टीकाकरण से जोड़ने की रिपोर्ट के बाद इस साल की शुरुआत में देश के शीर्ष स्वास्थ्य अनुसंधान संगठन द्वारा अध्ययन शुरू किया गया था। अक्टूबर 2021 और मार्च 2023 के बीच 18 से 45 वर्ष के लोगों की अचानक हुई 729 मामलों पर अध्ययन किया गया। डेटा की तुलना समान आयु, लिंग और समान परिस्थितियों में रहने वाले 2,916 स्वस्थ व्यक्तियों से की गई थी। पिछले महीने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने गरबा के दौरान होने वाली मृत्यु को लेकर चिंता जाहिर की थी। डॉ. मनोज मुरहेकर ने कहा, 'लोगों में टीकों को लेकर बहुत आशंका थी जिसके कारण अचानक होने वाली मौतों में वृद्धि हुई। कई तरह की खबरें सामने आ रही थीं। इसलिए, इस अध्ययन को करना महत्वपूर्ण था कि अचानक मृत्यु टीकाकरण से जुड़ी है या नहीं।'

जोखिम कैसे बढ़ गया?

रिसर्च ने टीकों को इसका कारण नहीं बताया है। लेकिन यह जरूर कहा है कि कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने से अचानक मृत्यु का खतरा बढ़ गया है। जिन लोगों की अचानक मृत्यु हुई उनमें गंभीर कोरोना होने की संभावना चार गुना अधिक थी। टीकाकरण एक सुरक्षा कवच हो सकता था।

रिसर्च ने अचानक मृत्यु के अन्य जोखिम कारकों के रूप में अचानक मृत्यु के पारिवारिक इतिहास, धूम्रपान की स्थिति, अत्यधिक शराब पीने और अत्यधिक तीव्रता वाले व्यायाम की पहचान की है। अध्ययन के अनुसार, जिस मरीज के परिवार में अचानक मृत्यु का इतिहास रहा हो उसकी अचानक मृत्यु से जुड़े होने की संभावना लगभग तीन गुना अधिक थी। अध्ययन से पता चलता है कि वर्तमान धूम्रपान की आदतें अचानक होने वाली मौतों से जुड़ी होने की संभावना लगभग दोगुनी थी। हृदय संबंधी घटना से 48 घंटे पहले अत्यधिक शराब पीने से जोखिम बढ़ने की संभावना छह गुना अधिक थी। किसी घटना से 48 घंटे पहले की गई जोरदार शारीरिक गतिविधि भी अचानक मृत्यु से जुड़ी होने की लगभग तीन गुना अधिक संभावना थी।

COVID-19 हृदय स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करता है? अध्ययन में कहा गया है कि जिन मार्गों के माध्यम से सीओवीआईडी 19 अचानक मौत का कारण बन सकता है उन्हें वर्तमान में अच्छी तरह से समझा नहीं गया है। लेकिन अन्य अध्ययनों से पता चला है कि संक्रमण से वायरस सहित विभिन्न तंत्रों के माध्यम से हृदय रोग और स्ट्रोक में वृद्धि हो सकती है।

आईसीएमआर ने कितने अध्ययन किए हैं?

यह तीन अध्ययनों में से एक है। अगस्त में 31 अस्पतालों में किए गए एक अन्य अध्ययन में पाया गया कि अगले वर्ष अस्पताल में भर्ती कोविड-19 से पीड़ित 6.5 प्रतिशत लोगों की मृत्यु हो गई। इसमें कहा गया है कि इनमें से ठीक हुए मरीजों में से 17.5 प्रतिशत को सुस्ती और सांस फूलने की समस्या का सामना करना पड़ा।

आखिरकार रोका गया इजरायल-हमास युद्ध, जानें कैसे दोनों पक्षों में बनी बात

एजेंसी

इजरायल-हमास युद्ध के 46वें दिन जंग से जूझ रहे लोगों के लिए बड़ी खबर है। दोनों पक्षों में आखिरकार इजरायल-हमास युद्ध को रोकने की सहमति बन गई है। इजरायली कैबिनेट ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए 50 बंधकों की रिहाई के बदले जंग को अल्प विराम देने के समझौते को मंजूरी दी है। ऐसे में अब गाजा में मौतों का तांडव अस्थायी संघर्ष विराम के बाद कम होगा। इजरायल 50 बंधकों की रिहाई के बदले 150 फिलिस्तीनी कैदियों को भी रिहा करेगा। इजरायल-हमास युद्ध में अल्पविराम से हजारों युद्ध पीड़ितों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े हैं। जंग के बीच फंसे लोगों ने राहत की बड़ी सांस ली है। धुर दक्षिणपंथी मंत्री बेन-गविर और स्मोट्रिच ने बंधकों को मुक्त कराने के इस समझौते का विरोध किया, जबकि मंत्री सार ने समर्थन किया। शास नेता का कहना है कि अति रूढ़िवादी पार्टी समझौते के लिए मतदान करेगी। बता दें कि 7 अक्टूबर को इजरायल पर किए गए हमास के हमले में अब तक कम से कम 1,200 नागरिक और सैनिक मारे गए थे। जबकि आतंकियों ने गाजा में 236 लोगों को बंधक बनाया था। इजरायल-हमास युद्ध को रोकने पर सहमति बनने के बीच आइडीएफ ने गाजा में जमीनी कार्रवाई के दौरान अपने 2 अन्य सैनिकों के मौत की घोषणा की है। जबकि हमास-नियंत्रित स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाजा में अब तक 14,128 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है।

इजरायल-हमास युद्ध रोकने पर कैसे सहमत हुए दोनों पक्ष

एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अधिक बंधकों की रिहाई को प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए सौदा मामले को इजरायल आज बुधवार सुबह मंजूरी दे दी गई है। यह समझौता अमेरिका की अगुवाई में कतर की मध्यस्थता में किया गया। इजरायल-हमास समझौते में जंग में चार दिन का ठहराव निर्धारित किया गया है। समझौते के अनुसार हमास इजरायल के 50 बंधकों को रिहा करेगा। इसमें महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। वहीं इजरायल इसके बदले में 150 फिलिस्तीनी कैदियों (मुख्य रूप से महिलाओं और बच्चों) को रिहा करेगा। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'सौदे को अंततः 50 से अधिक बंधकों को रिलीज कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। पहले चरण में महिलाओं और बच्चों की रिहाई पर सहमति बनी है, लेकिन आगे सभी बंधकों को उनके परिवारों के पास वापस लाना है।'' एक इजरायली अधिकारी ने कहा कि जिन 50 बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है, वे इजराइल या इजरायल दोहरे नागरिक होंगे। पहली खेप में विदेशी नागरिकों के इस आदान-प्रदान का हिस्सा होने की उम्मीद नहीं है। इसके साथ ही इजरायल रोजाना 400 ट्रकों को मिस्र की राफा सीमा पार करके गाजा में प्रवेश करने के लिए अनुमति देगा।

दिवाली के बाद अब उछलीं सोने की कीमतें, चांदी में भारी तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली रही है। मंगलवार सुबह घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में भाव ऊंचे बने हुए थे। घरेलू वायदा बाजार में भी सोना (Gold Rate Today) हरे निशान पर ट्रेड करता दिखाई दिया। मंगलवार सुबह एमसीएक्स एक्सचेंज पर 5 दिसंबर 2023 की डिलीवरी वाला सोना 0.59 फीसदी या 356 रुपये की बढ़त के साथ 61,013 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। इसके अलावा 5 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना इस समय 0.58 फीसदी या 353 रुपये की बढ़त के साथ 61,401 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखाई दिया।

चांदी की कीमतों में भी उछाल

सोने के साथ ही चांदी की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स एक्सचेंज पर मंगलवार सुबह 5 दिसंबर 2023 की डिलीवरी वाली चांदी 0.80 फीसदी या 583 रुपये की बढ़त के साथ 73,227 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखाई दी। इसके अलावा, 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी इस समय 0.71 फीसदी या 528 रुपये बढ़कर 74,791 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती दिखी।

सोने की वैश्विक कीमत

मंगलवार सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.67 फीसदी या 13.20 डॉलर की बढ़त के साथ 1993.50 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 0.69 फीसदी या 13.58 डॉलर की बढ़त के साथ 1991.65 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

चांदी का वैश्विक भाव

सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी मंगलवार सुबह तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.84 फीसदी या 0.20 डॉलर की बढ़त के साथ 24.16 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 1.42 फीसदी या 0.33 डॉलर की बढ़त के साथ 23.78 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

दुबई में जमकर प्रॉपर्टी खरीद रहे हैं भारतीय

अंग्रेजों को पछाड़कर बने सबसे बड़े रियल एस्टेट इन्वेस्टर्स

नई दिल्ली। एजेंसी

यूएई का शहर दुबई भारतीयों का पसंदीदा शहर बनकर उभरा है। भारतीय लोग वहां जमकर मकान खरीद रहे हैं और इस शहर के रियल एस्टेट मार्केट में सबसे बड़े इन्वेस्टर्स बनकर उभरे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इसके मुताबिक साल की दूसरी और तीसरी तिमाही में भारतीयों ने अंग्रेजों यानी ब्रिटेन के लोगों को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। पहली तिमाही में ब्रिटेन के लोग दुबई के प्रॉपर्टी मार्केट में सबसे बड़े इन्वेस्टर्स थे। लेकिन अब उनके हाथ से यह तमगा भारतीय निवेशकों ने छीन लिया है।

तीसरी तिमाही में दुबई के रियल एस्टेट मार्केट में रेकॉर्ड 28,249 ट्रांजैक्शंस हुए। यह दूसरी तिमाही के मुकाबले चार फीसदी और पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 23 फीसदी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक विला और टाउनहाउस ट्रांजैक्शन में 34 परसेंट की भारी ग्रोथ देखी गई। दूसरी ओर अपार्टमेंट्स के ट्रांजैक्शंस में चार फीसदी की गिरावट देखने को मिली। भारतीय और ब्रिटिश नागरिक दुबई के रियल एस्टेट मार्केट में सबसे बड़े खरीदार हैं। रूसी इन्वेस्टर्स 2022 की दूसरी तिमाही के बाद पहली बार तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं।

दुबई में क्या है खास

दुबई पूरी दुनिया के लोगों को आकर्षित करता है। इसकी वजह यह है कि यूएई की सरकार उन्हें गोल्डन वीजा देती है। यह एक लॉन्ग टर्म रेजिडेंस वीजा है जो विदेशी लोगों को यूएई में रहने, काम करने या पढ़ाई करने की इजाजत देता है। साथ ही इसके कई और भी फायदे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुबई का लग्जरी मार्केट लगातार मजबूत होता जा रहा है। तीसरी तिमाही में इसमें ट्रांजैक्शन दूसरी तिमाही के मुकाबले 44 परसेंट बढ़ गया। इसकी वजह यह रही कि सेकंडरी मार्केट में 66 परसेंट ग्रोथ रही। 2023 में दुबई में 4,500 नए मिलिनेयर के आने का अनुमान है।

31 दिसंबर से ऑनलाइन पेमेंट पर रोक!

बंद होंगी गूगल पे, पेटीएम और फोनपे UPI आईडी, जानें क्यों?

1 साल से इनएक्टिव आईडी बंद होगी

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

गूगल पे, फोन पे और पेटीएम के यूजर्स को उनकी यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर से बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसका कारण यह है कि यूपीआई आईडी का इस्तेमाल न करने के कारण यूजर सिक्योरिटी परेशानियां बढ़ सकती हैं। यह निर्देश एनपीसीआई द्वारा जारी किया गया है। यह एक नॉन-प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है और भारत के पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम को संचालित करता है। यह निर्णय यूपीआई आईडी के फ्रॉड के खतरे को कम करने का हिस्सा है। अगर आपकी यूपीआई आईडी पिछले एक साल से एक्टिवेटेड है। मतलब उस यूपीआई आईडी से लेनदेन कर रहे हैं, तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है।

गूगल पे, फोन पे और पेटीएम यूजर्स की दिक्कतें बढ़ सकती हैं, क्योंकि कई यूजर्स की यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर से बंद किया जा सकता है। दरअसल इस मामले में नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी ञ्ण्ष्ठ की तरफ से गूगल पे, पेटीएम और फोन पे को एक सर्कुलर जारी किया गया है, जिसमें एनपीसीआई की तरफ से थर्ड पार्टी ऐप्स जैसे गूगल पे, फोन पे और पेटीएम को उन यूपीआई आईडी को 31 दिसंबर 2023 से बंद करने का निर्देश दिया गया है, जो एक साल से एक्टिवेट नहीं है। मतलब अगर आपने एक साल से अपनी किसी यूपीआई आईडी से लेनदेन नहीं किया है, तो उसे 31 दिसंबर 2023 के बाद बंद कर दिया जाएगा।

क्या है एनपीसीआई

यह एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन है, जो भारत का रिटेल पेमेंट और सेटलमेंट सिस्टम है। यानी फोन पे, गूगल पे और पेटीएम जैसे ऐप्स इसी के दिशा निर्देशों पर काम करते हैं। साथ ही किसी तरह के विवाद की स्थिति में भी एनपीसीआई अपनी मध्यस्थता निभाता है।

क्या कहना है नियम

एनपीसीआई के सर्कुलर की मानें, तो 1 साल से इस्तेमाल ना की जाने वाली यूपीआई आईडी को बंद करने की वजह यूजर सिक्योरिटी है। दरअसल कई बार यूजर्स बिना अपने पुराने नंबर को डीलिंक करके नई आईडी बना लेता है, जो फ्रॉड की वजह बन सकती है। ऐसे में एनपीसीआई की तरफ से पुरानी आईडी को बंद करने का निर्देश दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश

वही संभावना है कि आपके पुराने नंबर को किसी नए यूजर को इश्यू कर दिया जाए। जैसा सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, तो उस स्थिति में फ्रॉड की संभावना बनती हैं। इन्ही सारी वजहों से पुरानी आईडी को बंद करने का निर्णय लिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने हालिया निर्णय में कहा है कि टेलिकॉम प्रोवाइडर कंपनियां 90 दिनों से डीएक्टिवेट नंबर को बंद कर सकती हैं। साथ ही वो नंबर किसी दूसरे को ट्रांसफर कर सकती हैं।

इन्फ्लेशन की चुनौती कायम

समस्या से निपटने के लिए सरकार और RBI हाई अलर्ट पर: फाइनेंस मिनिस्ट्री

नई दिल्ली। एजेंसी

देश की इकोनॉमी के लिए इन्फ्लेशन की चुनौती कायम है और इसको लेकर केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक हाई अलर्ट पर हैं। फाइनेंस मिनिस्ट्री की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हालिया गिरावट और कोर इन्फ्लेशन में लगातार गिरावट से महंगाई के दबाव को कम करने में मदद मिली है। देश की इकोनॉमी के लिए इनफ्लेशन की चुनौती कायम है और इसको लेकर केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक हाई अलर्ट पर हैं। फाइनेंस मिनिस्ट्री की मासिक आर्थिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। मिनिस्ट्री ने 21 नवंबर को अक्टूबर की आर्थिक रिपोर्ट रिपोर्ट जारी की।

हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में हालिया गिरावट और कोर इन्फ्लेशन में लगातार गिरावट से महंगाई के दबाव को कम करने में मदद मिली है। केंद्रीय बैंक भी इस परिस्थिति से पूरी तरह वाकिफ

है और उसके संकेतों के मुताबिक, बेहद जरूरी होने पर ही ब्याज दरों में और बढ़ोतरी होगी।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, नवंबर में अब तक भारत के क्रूड ऑयल बास्केट की औसत कीमत 83.93 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अक्टूबर में यह आंकड़ा 90.08 डॉलर प्रति बैरल था। अक्टूबर में खुदरा महंगाई दर 5 महीने के निचले स्तर यानी 4.87 पर्सेंट रही थी। इस तरह, लगातार दूसरे महीने महंगाई दर रिजर्व बैंक (ष्ठ) द्वारा तय 2-6 परसेंट के दायरे में रही। हालांकि, फूड इन्फ्लेशन मामूली बढ़ोतरी के साथ 6.61 परसेंट था। अक्टूबर में कोर इन्फ्लेशन घटकर 4.2 पर्सेंट रहा था, जबकि सितंबर में यह 4.2 परसेंट था।

मनीकंट्रोल ने 15 नवंबर को एक सरकारी सूत्र के हवाले से खबर दी थी कि हेडलाइन इनफ्लेशन में भले ही गिरावट हुई है, लेकिन सरकार के हिसाब से फूड इन्फ्लेशन में और गिरावट जरूरी है। रिटेल इनफ्लेशन (खुदरा महंगाई दर) को कम करने के लिए सरकार ने पिछले कुछ साल में कई कदम उठाए हैं, मसलन गेहूं, चावल और प्याज के एक्सपोर्ट पर बैन से लेकर सरकार ने सस्ती दरों पर टमाटर की बिक्री भी की है।

रिपोर्ट में एक्सटर्नल सेक्टर में फाइनेंशियल फ्लो की लगातार निगरानी की जरूरत पर भी जोर दिया गया है, क्योंकि इससे रुपये और बैलेंस ऑफ पेमेंट की वैल्यू पर सीधा असर पड़ता है। फाइनेंस मिनिस्ट्री की रिपोर्ट में कहा गया है, 'ग्लोबल स्लोडाउन के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति मजबूत रही है। इसकी मुख्य वजह घरेलू स्तर पर मांग में मजबूती है। भारत सरकार और रिजर्व बैंक को वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 पर्सेंट रहने का अनुमान है, जबकि बाजार को यह ग्रोथ 6 पर्सेंट रहने का अनुमान है।'

आरबीआई की महंगाई पर नजर

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

केंद्रीय रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि आरबीआई के कदमों से देश में वित्तीय स्थिरता का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में लगातार संकट का दौर जारी है और हमारी नजर महंगाई पर अर्जुन की आंख की तरह है। गवर्नर ने कहा कि महंगाई को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। गवर्नर शक्तिकांत दास ने ये बातें फिक्की और इबा के कार्यक्रम में बोलीं। इस दौरान उन्होंने बैंकों को लॉन्ग टर्म के लिए खेलने की सलाह दी।

'राहुल द्रविड़ की तरह खेलें'

दास ने अनसिक्योर्ड लोन के लिए रिस्क वेटेज में बढ़ोतरी पर कहा कि यह समय रहते सोच-विचार कर उठाया गया एहतियाती कदम है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वो बैंकों से कहना चाहते हैं कि वो राहुल द्रविड़ की तरह लॉन्ग टर्म के लिए खेलें न कि आज फिर जीने की तमन्ना है के अंदाज में शॉर्ट टर्म के लिए। दरअसल, कंज्यूमर लैंडिंग पर लोन रिस्क वेट बढ़ाने के आरबीआई के फैसले को कई नजरों से देखा जा रहा है। इसपर गवर्नर की ओर से ताजा टिप्पणी इस लिहाज से आई है कि कंज्यूमर लोन देकर बैंक शॉर्ट टर्म बिजनेस की बजाय लॉन्ग टर्म एसेट क्वालिटी पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि एसेट क्वालिटी अच्छी होने से बैंकों की बैलेंस शीट मजबूत होगी।

बस पर्सनल लोन ही क्यों?

आरबीआई का रिस्क लोन वेटेज का फैसला कंज्यूमर लोन तक ही सीमित रहा, बाकी लोन पर क्यों नहीं, इसपर गवर्नर ने कहा कि हाउसिंग, ऑटो और एसएमई सेक्टर में भी लोन जबरदस्त तेजी से बांटे जा रहे हैं और वृद्धि में योगदान दे रहे हैं, लेकिन यहां भी जो दबाव बन रहा है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। लेकिन चूंकि वृद्धि भी जरूरी है, ऐसे में आरबीआई ने उन्हें इस फैसले के दायरे से बाहर रखा है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के कदमों पर उन्होंने कहा कि घरेलू रोजमर्रा की महंगाई काबू करने के लिए RBI ने नीतिगत ब्याज दरें बढ़ाईं और लिक्विडिटी पर नियंत्रण किया. गवर्नर ने कहा कि 'हम अब पूरी तरह से मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, भले ही थोक और खुदरा मुद्रास्फीति में गिरावट आई है.' रुपये के प्रदर्शन पर उन्होंने कहा कि अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि के बावजूद भारतीय रुपये ने कम अस्थिरता और व्यवस्थित उतार-चढ़ाव का प्रदर्शन किया है।

स्टारलिंक से पहले वनवेब सैटेलाइट सर्विस को मिली मंजूरी, कीमत होगी बेहद कम

एजेंसी

एलन मस्क भारत में सैटेलाइट सर्विस स्टारलिंक लॉन्च करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी तक उन्हें भारत सरकार की मंजूरी नहीं मिली है। वनवेब इंडिया ने पहले से ही सैटेलाइट सर्विस को मंजूरी दी है जिससे मस्क की चिंता बढ़ सकती है। यह एक ब्रॉडबैंड सर्विस है जो सैटेलाइट की मदद से इंटरनेट पहुंचाती है। इसकी कीमत स्टारलिंक से कम हो सकती है।

एलन मस्क लंबे वक्त से भारत में सैटेलाइट सर्विस स्टारलिंक लॉन्च करने की तैयारी में है, लेकिन अभी तक उन्हें भारत सरकार की तरफ से मंजूरी नहीं मिली है। हालांकि स्टारलिंक से पहले भारती ग्रुप बैक्ड वनवेब इंडिया का सैटेलाइट सर्विस को मंजूरी दे दी गई है, जिससे एलन मस्क की चिंता बढ़ सकती है। मतलब वनवेब की तरफ से कमर्शियल तौर पर सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस को लॉन्च किया जा सकता है। यह एक ब्रॉडबैंड बेस्ड सर्विस है, जो सैटेलाइट की मदद से दूर-दराज इलाकों तक पहुंचाई जाती है।

कैसे काम करती है सैटेलाइट सर्विस

सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस को सैटेलाइट यानी उपग्रह की मदद से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जाता है। इसके लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में एक सैटेलाइट को छोड़ा जाता है, जो इंटरनेट पहुंचाने का मुख्य सोर्स होती है। इसमें ऑप्टिकल फाइबर या फिर मोबाइल टॉवर की जरूरत नहीं होती है। घर या ऑफिस में लगे रिसीवर की मदद से सीधे सैटेलाइट से इंटनरेट पहुंचाया जाता है। सैटेलाइट से घर तक इंटरनेट पहुंचने में दौरान लेटेंसी बेहद कम होती है। मतलब इंटरनेट स्पीड काफी फास्ट होती है।

स्टारलिंक से है मुकाबला

वनवेब सर्विस का सीधा मुकाबला एलन मस्क की स्टारलिंक सर्विस से होगा। बता दें कि वनवेब इंडिया पहला संगठन है, जिसे भारत सरकार की तरफ से कॉमर्शियली भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस को लॉन्च करने की मंजूरी दी गई है। बता दें कि इन-स्पेस एक केंद्रीय एजेंसी है, सैटेलाइट इंटरनेट कनेक्टिविटी की पूरी देखरेख रखती है। अगर कीमत की बात करें, तो वनवेब की तरफ से सस्ते में इंटरनेट सर्विस को रोल आउट किया जा सकता है। स्टारलिंक सर्विस को बेहद कम कीमत में लॉन्च किया जा सकता है। रिपोर्ट की मानें, तो इसकी कीमत स्टारलिंक सर्विस से कम होगी।

तुलसी विवाह के दिन परिक्रमा करते समय इन बातों का रखें ध्यान, होगी अखंड सौभाग्य की प्राप्ति

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु और तुलसी का विवाह होता है। यह हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को आती है। देवउठनी एकादशी पर भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं। हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिन के बाद से ही मांगलिक कार्यों को शुरू किया जाता है। 24 नवंबर को तुलसी विवाह वाले दिन कोई व्यक्ति अगर परिक्रमा को पूरा करते है तो उसके भाग्य के लिए यह शुभ होता है। ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी ने बताया कि परिक्रमा करते समय अपने हाथों में किन चीजों को रखें।

तुलसी विवाह के दिन इन बातों का रखें ध्यान

- सुहागिन महिलाओं के लिए बहुत आवश्यक है। वह तुलसी विवाह करते हैं तो उनको अखंड की सौभाग्य मिलता है।
- पूजा के दौरान महिलाएं सुहाग का सामान के साथ लाल चुनरी को जरूर चढ़ाएं।
- तुलसी विवाह करते समय हल्दी को दूध में भिगोकर रख दें। उसको तिलक के लिए उपयोग करें।
- भगवान विष्णु के लिए मिठाई लेकर आएं। उसका भोग लगाकर सब में बांट दें।
- पूजा के पूरा हो जाने के बाद भगवान विष्णु को जगाने के लिए प्रार्थना करें।

इन चीजों को लेकर करें तुलसी की परिक्रमा

ऐसा माना जाता है कि तुलसी विवाह के बाद तुलसी की परिक्रमा करते समय हाथों का खाली होना अशुभ माना चाता है, इसलिए हाथों में कुछ चीजें जरूर होनी चाहिए।

हाथ में गेहूं लेकर करें परिक्रमा

तुलसी विवाह के बाद परिक्रमा करतेसमय हाथ में गेहूं रखें। ऐसा करने से आपके बिगड़े काम बनना शुरू हो जाते है।

हाथ में तिल लेकर करें परिक्रमा

तुलसी विवाह के बाद परिक्रमा करते समय काला तिल हाथ में जरूर रखें। आप काला तिल रखेंगे तो कार्यों में सफलता मिलेगी।

हाथ में तुलसी की मंजीरी और हल्दी लेकर करें परिक्रमा

तुलसी विवाह के बाद परिक्रमा करते समय तुलसी की मंजीरी हाथ में लें। उसके साथ में चुटकी भर हल्दी लें। आप ऐसा करते हैं तो विवाह के संबंध जल्द बनेंगे।

तुलसी के पास रखें ये 6 चीजें, धन-धान्य से भर जाएगा घर का भंडार

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कार्तिक मास में तुलसी पूजा का विशेष महत्व है। ये माह भगवान विष्णु और तुलसी को समर्पित है। कार्तिक पूर्णिमा 27 नवंबर है। इस दिन श्रीहरि और तुलसी के पौधे की पूजा से कष्टों से मुक्ति मिलती है। ज्योतिष और वास्तु में तुलसी से जुड़े कई कारगर उपाय बताए गए हैं। हालांकि तुलसी के पौधे के पास कुछ चीजे रखने से घर में बरकत बढ़ने लगती है।

शालीग्राम और मनी प्लांट

तुलसी के पास शालीग्राम रखना शुभ होता है। देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह है। शालीग्राम को तुलसी के पौधे के पास रखकर पूजा करने से पुण्य मिलता है। मनी प्लांट को धन आकर्षित करने वाला पौधा माना जाता है। तुलसी को मां लक्ष्मी का रूप माना गया है। तुलसी के पास मनी प्लांट रखने से धन वृद्धि होती है।

मिट्टी का दीपक और चुनरी

तुलसी के पौधे पर लाल चुनरी चढ़ाएं। इससे विशेष फल मिलता है। वहीं, जीवन में दरिद्रता को दूर करने के लिए शाम को मिट्टी का दीपक तुलसी के पौधे के सामने जलाएं।

पीतल का बर्तन और शमी का पौधा

शमी का पौधा तुलसी के पास रखना कल्याणकारी होता है। ऐसा करने से शनि का दुष्प्रभाव कम होने लगता है। वहीं, जीवन में खुशियां बढ़ाने के लिए पीतल का बर्तन तुलसी के पौधे के पास रखें।

पांच साल बाद बना दुर्लभ त्रिग्रही योग, इन जातकों को मिलेगा फायदा

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

हर ग्रह निश्चित समय में राशि परिवर्तन करता है और अन्य ग्रहों के साथ मिलकर शुभ-अशुभ योग बनाते हैं. इस महीने वृश्चिक राशि में त्रिग्रही योग बन रहा है. वृश्चिक राशि में सूर्य, मंगल और बुध ग्रह की मौजूदगी त्रिग्रही योग बना रही है. 5 साल बाद ऐसा योग बना है जब ये तीनों प्रमुख ग्रह वृश्चिक राशि में मौजूद हैं. इस तरह वृश्चिक राशि में इन ग्रहों की युति से बना पॉवरफुल त्रिग्रही योग सभी 12 राशि वालों पर बड़ा असर डालने वाला है. विशेष तौर पर 3 राशि वाले जातकों को सबसे ज्यादा लाभ होगा. आइए जानते हैं कि यह त्रिग्रही योग किन राशि वालों के लिए शानदार साबित होने वाला है.

त्रिग्रही योग बदलेगा भाग्य

सिंह राशिः सिंह राशि वाले जातकों के लिए यह त्रिग्रही योग बहुत शुभ रहेगा. इन जातकों को नया घर या नई गाड़ी का सुख मिल सकता है. हाल ही में मिला पैसा आपको निवेश करने के लिए प्रेरित करेगा. भौतिक सुख मिलेगा. करियर में कोई बड़ा मौका मिल सकता है. विशेष तौर पर रियल स्टेट, जमीन-जायदाद से जुड़ा काम करने वालों को बड़ा मुनाफा हो सकता है.

मकर राशिः मकर राशि वालों को त्रिग्रही योग बहुत शुभ फल देगा. इन लोगों की इनकम बढ़ेगी. आय में हुई बड़ी बढ़ोतरी आपके बैंक बैलेंस में इजाफा करेगा. मेहनत का पूरा फल मिलेगा. धन कमाने के नए-नए स्त्रोत मिलेंगे. गजब का आत्मविश्वास रहेगा. सम्मान बढ़ेगा. रुकी हुई योजनाएं फिर से चल पड़ेंगी. निवेश के लिए समय अच्छा है.

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों के लिए त्रिग्रही योग का बनना शुभ फल देगा. नौकरी हो या कारोबार लाभ मिलना तय है. नई नौकरी का ऑफर मिल सकता है या मौजूदा नौकरी में पदोन्नति मिल सकती है. कोई बड़ी डील पक्की होने के योग हैं. वाहन और प्रापर्टी खरीद सकते हैं. बेरोजगारों के लिए समय अच्छा है. मनपसंद रोजगार मिलेगा. ऑफिस में सहयोगियों के साथ अच्छा तालमेल रहेगा.

राशि परिवर्तन करने जा रहे बुध देव, 4 दिन बाद इन राशियों का बदल जाएगा भाग्य

आचार्य पं. संजय वर्मा
9826380407
ज्योतिषाचार्य एवं वास्तु विशेषज्ञ, इंदौर (म.प्र.)

27 नवंबर को बुध देव राशि परिवर्तन करने जा रहे हैं। इस दिन बुध देव वृश्चिक राशि से धनु राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। ज्योतिष में बुध देव को विशेष स्थान प्राप्त है। बुध के धनु राशि में प्रवेस करने से कुछ राशि वालों को जबरदस्त लाभ होगा तो कुछ राशि वालों को सावधान रहने की आवश्यकता है। ज्योतिषशास्त्र में ग्रहों की चाल बदलने को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। ग्रहों के चाल बदलने का सभी राशियों पर प्रभाव पड़ता है। आइए जानते हैं, बुध के धनु राशि में प्रवेश करने से किन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन-

मेष राशि

कार्यक्षेत्र और व्यापार में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। व्यापार में आर्थिक लाभ के अवसर सामने आएंगे। धन लाभ के अवसर मिलेंगे। निवेश में लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में स्थितियों में सुधार आएगा। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी।

मिथुन राशि

कार्यक्षेत्र और व्यापार में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। साथियों और अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक लाभ के अवसर सामने आएंगे। निवेश के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में पहले से अटके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। व्यापारिक यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। सुखद समाचार प्राप्त हो सकते हैं।

सिंह राशि

कार्यक्षेत्र और व्यापार में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। साथियों के सहयोग से मुश्किल कार्य भी बन सकेंगे। व्यापार में लाभ के नए अवसर सामने आएंगे। कार्यक्षेत्र में उन्नति के अवसर मिल सकते हैं। सुख सुविधाओं में वृद्धि हो सकती है। स्थितियों में सुधार आएगा।

कन्या राशि

कार्यक्षेत्र और व्यापार में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में लाभ के अवसर सामने आएंगे। उन्नति के अवसर सामने आएंगे। पहले से अटके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

इस दिवाली लोगों ने जमकर खरीदी कारें और बाइक

कंपनियों का सबसे शानदार फेस्टिव सीजन, बिक्री में 41 प्रतिशत की ग्रोथ

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में वीइकल मैन्युफैक्चरर्स ने इस साल अपना सबसे शानदार त्योहारी सीजन मनाया है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, त्योहारों के बीच तीन महीनों में पैसेंजर वाहनों (पीवी) की बिक्री में साल-दर-साल आधार पर 41इ की वृद्धि दर्ज की गई है। इंडस्ट्री के शुरुआती अनुमानों के अनुसार, 17 अगस्त से 14 नवंबर के बीच स्थानीय बाजार में कार, सेडान और यूटिलिटी वीइकल्स सहित 1.138 मिलियन पैसिंजर वाहनों की बिक्री हुई। ओणम भारत के मुख्य त्योहार के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है जो दिवाली के करीब पीक पर पहुंच जाता है। कार निर्माताओं की रिटेल बिक्री में त्योहारी सीजन की हिस्सेदारी 30-35 प्रतिशत होती है।

48-49 फीसदी रही एळ्ळ की हिस्सेदारी

इससे पहले 2020 के इसी त्योहारी महीनों में वाहनों की शानदार बिक्री दर्ज की गई थी। उस वक्त उपभोक्ताओं ने लगभग 934,000 वाहन खरीदे थे। हालांकि, कोरोना महामारी की शुरुआत में लॉकडाउन के दौरान बिक्री में कमी आई थी। इस साल एंट्री-लेवल समेत सभी कैटिगरी के वाहनों में मांग बढ़ी है। छोटी कारों की हिस्सेदारी बढ़कर 30 फीसदी (चालू वित्त वर्ष में अब तक 27 प्रतिशत की वृद्धि दर) हो गई है। सीजन के दौरान स्थानीय बाजार में यूटिलिटी वीइकल्स में स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (SUV) की हिस्सेदारी 48-49 फीसदी रही।

त्योहारी अवधि में रिटेल बिक्री को सपोर्ट

मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग ऐंड सेल्स) शशांक श्रीवास्तव का कहना है कि कंपनी ने इस फेस्टिव सीजन में 4,90,000 कारें बेचीं, जिससे उनकी बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गई, जो इस वित्त वर्ष में अब तक 42 प्रतिशत से थोड़ी अधिक है। हुंदै के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) तरुण गर्ग का कहना है कि हालांकि पिछली तिमाही की शुरुआत में सप्लाई में सुधार के साथ मार्च में मांग कमजोर हो गई थी, लेकिन बुकिंग अच्छी बनी हुई थी। इससे त्योहारी अवधि में रिटेल बिक्री को समर्थन मिला है। हुंदै ने एक बयान में कहा, हमने 17 अगस्त से भाई दूज तक 165,000 वाहनों की रिटेल बिक्री की है। यह पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 9% की वृद्धि है। हमारे द्वारा बेचे गए 165,000 वाहनों में एसयूवी का योगदान लगभग 65% है।

'टू-व्हीलर सेगमेंट में भी मांग अच्छी रही'

टू-व्हीलर सेगमेंट में त्योहारी सीजन के लिए मोटरसाइकिल और स्कूटर की बिक्री का डेटा जुटाना अभी बाकी है, लेकिन फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों में मांग विशेष रूप से अच्छी रही है, हालांकि यात्री कारों की तुलना में यह कम है। लेकिन बिक्री दोहरे अंक में बढ़ी है। ग्रांट थॉर्नटन भारत के पार्टनर साकेत मेहरा ने कहा कि अक्टूबर में दोपहिया वाहनों की बिक्री वास्तव में 18.9 लाख यूनिट पर पहुंच गई, जो अक्टूबर 2022 की तुलना में महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गई है जब लोकल मार्केट में 15.8 लाख वाहन बेचे गए थे।

एलएमडब्लू ने इंदौर में 20,000 वर्ग फीट के नए "स्पेयर पार्ट्स वेयरहाउस" का उद्घाटन किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एलएमवी ने अपनी सर्विस क्षमता बढ़ाने के लिए इंदौर में अपने अत्याधुनिक स्पेयर पार्ट्स वेयरहाउस और रिपेयर सेंटर सुविधा का उद्घाटन किया है। यह सुविधा वेयरहाउस नं. 2, प्लॉट नं. 2, एंपायर लॉजिपार्क ब्लॉक 'ओ', अर्जुन बड़ोदा रोड, बड़ोदा अर्जुन, इंदौर, मध्य प्रदेश - 453771 में स्थित है। इस वेयर हाउस का उद्घाटन एलएमडब्लू के होल टाईम डायरेक्टर, श्री जयदेव जयवर्धन आवेलु द्वारा 10 नवंबर, 2023 को किया गया। यह नया वेयरहाउस एलएमडब्लू पेस (एलएमडब्लू प्रोफेशनल आफ्टरमार्केट केयर फॉर एक्सिलेंस) की थीम के अनुरूप इसके प्रतिष्ठित ग्राहकों को प्रभावशाली और चुस्त सेवा प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

20,000 वर्ग फीट में स्थित यह वेयरहाउस उत्तर और पश्चिम के क्षेत्र में स्थित ग्राहकों को सेवाएं देगा। महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित होने के कारण यहाँ से 24 से 72 घंटों में तीव्र प्रतिक्रिया व सपोर्ट संभव हो सकेगी, जिससे मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू, दिल्ली और चंडीगढ़ जैसे मुख्य बाजारों में ग्राहकों को सुगम सेवाएं मिल सकेंगी।

यह न केवल एक वेयरहाउस सुविधा है, बल्कि यहाँ पर एक रिपेयर सर्विस स्टेशन भी स्थित है, जो विस्तृत और गुणवत्तापूर्ण कस्टमर सपोर्ट प्रदान करने की एलएमडब्लू की प्रतिबद्धता के साथ सभी मेकाट्रोनिक्स सामान की सर्विसिंग के लिए समर्पित है। एलएमडब्लू अतुलनीय सेवा और ऑपरेशनल एक्सीलेंस के लिए तत्पर है, इसलिए यह नया वेयरहाउस कंपनी द्वारा विस्तृत क्षमताएं और ग्राहक संतुष्टि प्रदान करने की ओर एक महत्वपूर्ण प्रगति है।

भारत का सबसे रहस्यमय मिसाइल, जिसके बारे में दुनिया को है सबसे कम जानकारी

नई दिल्ली। एजेंसी

डीआरडीओ के पोस्टर के अनुसार, मिसाइल एक ठोस ईंधन वाले रॉकेट मोटर बूस्टर द्वारा संचालित है, जो मिसाइल को एक निश्चित पूर्व-निर्धारित ऊंचाई और वेग तक ले जाता है। हाल ही हुए दुबई एयर शो में भारत ने एक ऐसा पोस्टर लगाया, जिससे पूरी दुनिया चौंक गई। भारत की ओर से डीआरडीओ ने इस एयर शो में एक मिसाइल के बारे में बताया, जिसकी टेस्टिंग फरवरी से चल रही है, लेकिन किसी को इसके बारे में पता नहीं है। इसकी रेंज, हथियार क्षमता इतनी ज्यादा है कि दुनिया हैरत में है। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस साल की शुरुआत में गुप्त रूप से अपनी इन-डेवलपमेंट पनडुब्बी-लॉन्च क्रूज़ मिसाइल (एसएलसीएम) का परीक्षण किया था। पनडुब्बियों के टारपीडो ट्यूबों से लॉन्च करने में सक्षम नया एसएलसीएम संभवतः जमीन पर हमला करने वाली निर्भय क्रूज मिसाइल पर आधारित है।

मिसाइल के दो वेरिएंट

यह मिसाइल 5.6 मीटर लंबी है, जिसका वजन 975 किलोग्राम है, जिसका व्यास सिर्फ 505 मिमी है। मिसाइल के दो वेरिएंट होंगे, एक जमीन पर हमला करने वाली क्रूज मिसाइल वेरिएंट और दूसरा एंटी-शिप क्रूज मिसाइल वेरिएंट। एसएलसीएम मिडकोर्स नेविगेशन के लिए इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम / ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) आधारित ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम का उपयोग करता है, जिसमें टर्मिनल मार्गदर्शन के लिए एक सक्रिय रेडियो फ्रीक्वेंसी रडार साधक होता है।

सफल परीक्षण

डीआरडीओ के पोस्टर के अनुसार, मिसाइल एक ठोस ईंधन वाले रॉकेट मोटर बूस्टर द्वारा संचालित है, जो मिसाइल को एक निश्चित पूर्व-निर्धारित ऊंचाई और वेग तक ले जाता है। इसके बाद, ठोस रॉकेट बूस्टर अलग हो जाता है, और एक टर्बोफैन-आधारित स्टेनर इंजन मिसाइल को उसकी पूरी उड़ान में शक्ति प्रदान करता है। फरवरी के परीक्षण में, मिसाइल को लक्ष्य में और उस पर मोड़ने के लिए थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण, इन-फ़्लाइट विंग परिनियोजन और इन-फ़्लाइट इंजन स्टार्ट जैसी टेक्नोलॉजी सही साबित हुईं हैं।

दो हथियारों का विकल्प

एसएलसीएम के पास चुनने के लिए दो हथियार विकल्प होंगे, अर्थात, बंकर को नष्ट करने और रणनीतिक लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए एक सटीक-सह-विस्फोट और क्षेत्र प्रभाव के लिए एक एयर बर्स्ट बम और नरम-परत वाले लक्ष्यों को नष्ट करना।

इन सबमरीन में प्रयोग

यह नई मिसाइल 0.7 मैक की गति से यात्रा करेगी और संभवतः कलवरी क्लास, सिंधुघोष क्लास और संभावित रूप से प्रोजेक्ट -75। क्लास पनडुब्बियों के साथ भी एकीकृत होगी। भविष्य में मिसाइल की 500 किलोमीटर की मारक क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा।

फरवरी में परीक्षण

दुबई एयर शो में डीआरडीओ स्टॉल पर प्रदर्शित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एएनआई द्वारा पोस्ट किए गए पोस्ट के अनुसार, मिसाइल का परीक्षण फरवरी 2023 में किया गया था। मिसाइल ने सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य को भेदा और 402 किलोमीटर की दूरी पर अपने सभी मिशन उद्देश्यों को पूरा किया।

असुरक्षित कर्ज पर सख्ती बढ़ाना सही फैसला

मूडीज ने कहा, बहुत प्रतिस्पर्धी हो गया है भारत का ऋण क्षेत्र

नई दिल्ली। एजेंसी

मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असुरक्षित कर्ज तेजी से बढ़े हैं। इससे वित्त संस्थानों को अचानक आर्थिक या ब्याज दर के झटके की स्थिति में कर्ज लागत में संभावित वृद्धि करनी पड़ती है। ऐसे में व्यक्तिगत कर्ज के लिए नियमों को सख्त करना आरबीआई का सही निर्णय है। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में असुरक्षित कर्ज तेजी से बढ़े हैं। इससे वित्त संस्थानों को अचानक आर्थिक या ब्याज दर के झटके की स्थिति में कर्ज लागत में संभावित वृद्धि करनी पड़ती है। ऐसे में व्यक्तिगत कर्ज के लिए नियमों को सख्त करना आरबीआई का सही निर्णय है। आरबीआई ने पिछले सप्ताह बैंकों व गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए जोखिम भार को 25 फीसदी बढ़ा दिया है। मूडीज ने कहा, उच्च जोखिम भारित संपत्तियों के जरिये नियम सख्त करना सही कदम है क्योंकि ऋणदाताओं की नुकसान से निपटने की स्थिति बेहतर करने के लिए उच्च पूंजी आवंटन की जरूरत होगी।

आक्रामक तरीके से बांटी जा रही उधारी

एजेंसी ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में भारत का असुरक्षित ऋण सेगमेंट बहुत प्रतिस्पर्धी हो गया है। बैंक, एनबीएफसी और फिनटेक कंपनियां आक्रामक रूप से कर्ज बांट रही हैं। पिछले दो वर्षों में व्यक्तिगत ऋण में 24 फीसदी व क्रेडिट कार्ड कर्ज में औसतन 28 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस दौरान बैंकिंग क्षेत्र की समग्र कर्ज वृद्धि करीब 15 फीसदी है।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने लॉन्च किया अपना बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

भारत का पहला व्यवहार विज्ञान आधारित बैलेंस्ड एडवांटेज फंड

एजेंसी।

जहां ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। इस एसेट अलोकेशन (परिसंपत्ति आवंटन) तकनीक का उपयोग करके, निवेशक बाजार की अस्थिरता से निपटन कर इष्टतम रिटर्न प्राप्त कर सकते है। आवंटन तय करने के लिए सिर्फ मात्रात्मक मॉडल का उपयोग करने के बजाय, बजाज फिनसर्व एएमसी निवेश टीम व्यावहारिक पहलू का भी विश्लेषण करती है, जिससे निवेशकों को लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न हासिल करने में मदद मिल सकती है। परंपरागत रूप से, एसेट अलोकेशन की रणनीति तय करने के लिए बुनियादी सिद्धांतों, पिछले प्रदर्शन और मात्रात्मक मॉडल का उपयोग करना है। हालांकि, बजाज फिनसर्व एएमसी की निवेश टीम एसेट अलोकेशन और निवेश के लिए उपयुक्त समय पे सही निर्णय लेने के लिए व्यवहार विज्ञान मॉडल का भी उपयोग करने में भरोसा करती है।

बजाज फिनसर्व एएमसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड मॉडल निवेश के मुख्य रणनीति का मार्गदर्शन करते हुए भविष्य में प्रति शेयर आय,

ग्रोथ की उम्मीदों और ब्याज दरों के आधार पर उचित बाजार मूल्य (मार्केट वैल्यू) का अनुमान लगाता है। फंड का बिहेवियरल इंडिकेटर (व्यवहार सूचक) बाजार की अस्थिरता से निपटने और साथ ही एंट्री और एग्जिट प्वॉइंट का निश्चय करके बेहतर रिटर्न प्राप्त करने में मदद करता है। इस फंड के लॉन्च पर बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के सीईओ, गणेश मोहन ने कहा कि यह देखते हुए कि हम म्यूचुअल फंड कारोबार में नए हैं, हमारे पास चीजों को नए सिरे से देखने का बेहतर अवसर भी है। हमारा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड उसी सोच का एक और उदाहरण है। यहां, व्यवहार विज्ञान और निवेश विकल्पों का चयन करते समय उनमें ग्रोथ समझने की क्षमता दोनों ही 'संतुलित' हैं, जिससे हमें अपने निवेश निर्णय लेने में मदद मिलती है। हमारा अनोखा निवेश दर्शन, हाई रिटर्न हासिल करने के लिए सूचनात्मक, मात्रात्मक और व्यावहारिक बढ़त को संयोजित करना चाहता है।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट के सीआईओ निमेश चंदन ने कहा कि भीड़ हमेशा गलत नहीं होती है। परिणामस्वरूप, जब भी इक्विटी बाजार में तेजी आती है तो सेल करना और हर बार बाजार में गिरावट आने पर खरीदारी करना एसेट अलोकेशन के लिए सबसे उपयुक्त सोच नहीं हो सकती है। जरूरी है कि हम ये पहचानें कि भीड़ ने लालच या भय में कहां ज्यादा प्रतिक्रिया दिखाई है, और उसी प्रतिक्रिया का लाभ उठाएं।

नकली ब्रांडेड पीटीएमटी नल और बाथ फिटिंग बनाने वाली फैक्ट्री पर जांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

पीटीएमटी टैप्स एंड बाथ फिटिंग्स प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी जिंदल सेनेटरी वर्क्स ने स्थानीय पुलिस की निगरानी में आने का सामना किया है पुलिस ने जिंदल सेनेटरी वर्क्स की एक फैक्ट्री से पर्ल ब्रांड नाम वाले उत्पाद और पैकेजिंग बॉक्स जब्त किए। यह कार्रवाई न्यायालय के अंतरिम रोक आदेश के तहत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और स्थानीय अपराध शाखा पुलिस की एक टीम ने की थी।

न्यायालय ने जिंदल सेनेटरी वर्क्स की फैक्टरी के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई की थी, जिसमें आरोप थे कि उन्होंने अपने उत्पादों को किसी अन्य ब्रांड के नाम से बना रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, स्थानीय पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुसार फैक्ट्री की निगरानी की और उनके उत्पादों की जांच की।

ये फैक्ट्री उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों को कवर करते हुए मेरठ, करनाल, फरीदाबाद, दिल्ली, आगरा, इंदौर, लखनऊ और जयपुर सहित कई शहरों में नकली पर्ल ब्रांडेड उत्पादों की आपूर्ति कर रही थी। बीते कुछ समय से पर्ल प्रिसिशन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और जिंदल सेनेटरी वर्क्स के बीच कोर्ट केस जारी है! कोर्ट ने जिंदल सेनेटरी वर्क्स को पर्ल ब्रांड नाम वाले उत्पाद और पैकेजिंग बक्से न बनाने का आदेश भी दिए थे, पर कोर्ट के आदेश का पालन न करते हुए 'जिंदल सेनेटरी वर्क्स ने इसको जारी रखा, जिसके बाद कोर्ट के आदेश के तहत स्थानीय पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया! कार्रवाई जांच में पाए गए सबूतों के आधार पर कोर्ट ने यह पाया की 'जिंदल सेनेटरी वर्क्स' ने कोर्ट के अंतरिम रोक आदेश का पालन नहीं किया जिसके तहत कोर्ट ने अब इस मामले में पूर्ण स्थगन आदेश जारी किया है!

नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट का दमदार प्रदर्शन जारी

रु. 2.98 प्रति यूनिट का पहला वितरण घोषित किया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

भारत के पहले सूचीबद्ध रिटेल रीट नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट ने 30 सितंबर 2023 को समाप्त दूसरी तिमाही के लिए वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट के प्रबंधक बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ऑफ नेक्सस सिलेक्ट मॉल मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने बोर्ड मीटिंग के दौरान नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट के वित्तीय परिणामों की समीक्षा और अनुमोदन किया। नेक्सस सिलेक्ट ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी दलीप सहगल ने कहा, ''वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में हुई मजबूत शुरुआत दूसरी तिमाही में भी जारी है, बीते वि.व. की समान अवधि में 18 प्रतिशत की दमदार खपत वृद्धि हुई है। बीते साल की तिमाही के मुकाबले हमारी शुद्ध परिचालन आय 17 प्रतिशत बढ़ी है और यह हमारे अनुमानों के अनुसार है। हमारा प्रदर्शन उस क्वालिटी और पैमाने को भी प्रदर्शित करता है जिस पर हम मजबूत ऑर्गेनिक वृद्धि जारी रखे हुए हैं। इस मजबूत प्रदर्शन के बल पर हमें रु. 4,521 मिलियन का प्रथम वितरण घोषित करते हुए बहुत खुशी है, जो प्रति यूनिट रु. 2.98 बैठता है; सूचीबद्ध होने की तारीख 19 मई 2023 से 30 सितंबर 2023 तक की अवधि में यह 100 प्रतिशत भुगतान है। इनऑर्गेनिक वृद्धि की अपनी रणनीति को जारी रखते हुए हमने एक नॉन-बाइंडिंग टर्म शीट पर दस्तखत किए हैं जिससे दक्षिण भारत में उच्च क्वालिटी के तीन मॉल्स का अधिग्रहण किया जाएगा। हमारे पोर्टफोलियो में मौजूद मॉल्स में रिटेल इंफ्रास्ट्रक्चर में 1000 से ज्यादा घरेलू व अंतरराष्ट्रीय ब्रांड शामिल हैं और हम अपनी वचनबद्धता के अनुसार अपने ग्राहकों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुत करना जारी रखे हुए हैं।''

सरिए के विकल्प 'कम्पोजिट फाइबर रीबार' को मिली आई एस आई की पहचान

कम्पोजिट फाइबर रीबार की सबसे बड़ी खासियत है 'स्ट्रॉन्गर, लाइटर, चीपर

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (NHAI) और इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा कम्पोजिट फाइबर रीबार के उपयोग की अनुमति भी मिली

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मकान, बिल्डिंग्स, ब्रिज, सड़कों आदि के निर्माण में सरिए का योगदान अमूल्य होता है। देश में सरिए के एक बेहतर विकल्प के तौर पर कम्पोजिट फाइबर रीबार का व्यावसायिक उत्पादन और उपयोग 2019 से किया जा रहा है जिसे हाल ही में ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स के सर्टिफिकेट मिलने से एक नई पहचान मिली है।

एमआरजी कम्पोजिट के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं ऑल इंडिया ग्लास फाइबर रीबार मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन के वाईस प्रेसिडेंट अमित गांगुर्डे ने बताया कि कम्पोजिट फाइबर रीबार हर लिहाज से बेहतर है लेकिन हम इसकी सबसे बड़ी खासियत की बात करें तो वह है 'स्ट्रॉन्गर, लाइटर, चीपर'। कम्पोजिट फाइबर रीबार अन्य स्टील सरिए की अपेक्षा 3 गुना मजबूत, 9 गुना हल्का एवं करीब 30 प्रतिशत तक सस्ता होता है। इसलिए ये आम और ख़ास सभी की पहली पसंद भी बनेगा। हल्का होने के कारण यह उत्पाद ट्रांसपोर्ट के माध्यम से एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में भी आसान होता है। साथ ही यह जंगरोधी है, जिसके कारण उत्पाद की उम्र दोगुनी हो जाती है। यानी इसे कम दाम में उत्तम गुणवत्ता वाला उत्पाद कहा जा सकता है। यह प्रोडक्ट 'ग्लास फाइबर रीइनफोर्स्ड पॉलिमर' (जी एफ आर पी) है जिसे सरिए का शानदार विकल्प माना जा रहा है।

श्री गांगुर्डे ने बताया कि आज से करीब चार वर्ष पहले हमने कम्पोजिट फाइबर रीबार को देश के नामी तकनीकी संस्थानों एस जी एस आई टी एस इंदौर, आई आई टी हैदराबाद, एस डी एफ यूके से प्रमाणित करवाया था और हमें आशा थी कि ब्यूरो ऑफ़ इंडियन स्टैंडर्ड्स भी हमारे इन रीबार्स को मान्यता देगा और हमें प्रसन्नता है कि हमें थोड़ी देर से ही सही, यह प्रमाणन मिल गया है। हमारे उत्साह को बढाने के लिए अभी इतना भी काफी है कि हमें नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया (ऍच) और इंडियन रोड कांग्रेस द्वारा कम्पोजिट फाइबर रीबार के उपयोग की अनुमति मिल गई है और प्रथम चरण में हमने करीब 20 किलोमीटर लम्बी ड्रेनेज लाइन बिछाई है। यह सर्टिफिकेशन भारत में भवन, सड़कों, ब्रिज, सुरंगो तथा अन्य सभी प्रकार के सिविल निर्माण मे आधुनिक तकनीक से बने कम्पोजिट फाइबर रीबार से सिविल कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र मे क्रांतिकारी परिवर्तन के आने की उम्मीद है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।